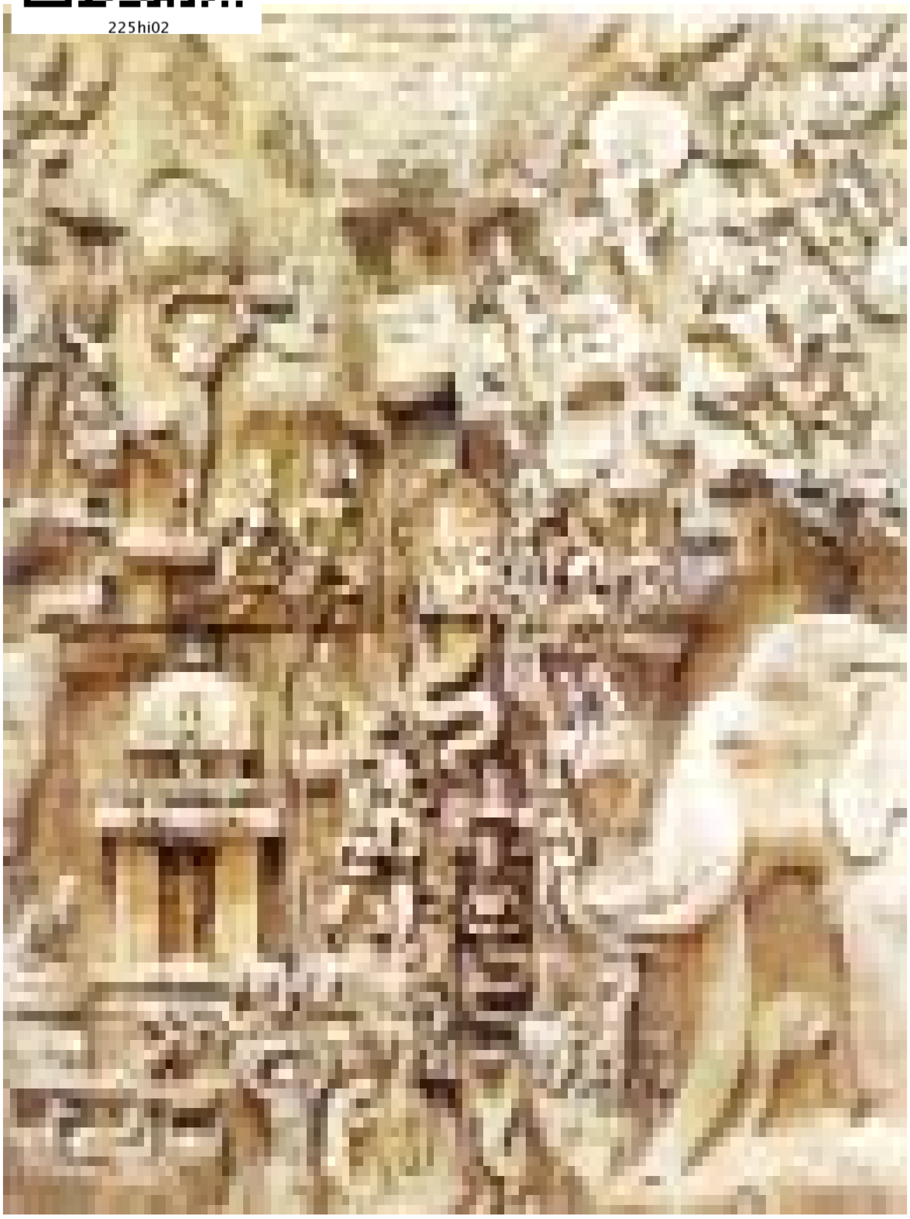

अर्जुन का चिन्तन अथवा गंगावतरण

गोवर्धन पर्वत को उठाते हुए कृष्ण

कोणार्क की सुरसुन्दरी

पाठगत प्रश्न 2.3

(क) सुरसुन्दरी की प्रतिमा को क्या बजाते हुए दिखाया गया है?

(ख) कोणार्क के सूर्य मन्दिर को किसने बनवाया था?

(ग) कोणार्क का सूर्य मन्दिर कहाँ स्थित है?

(घ) यह प्रतिमा किससे बनी हुई है?

(ङ) कोणार्क का सूर्य मन्दिर किस राजवंश से सम्बन्धित है?

आपने क्या सीखा

गुप्त वंश के स्वर्णिम युग के बाद विभिन्न राजवंशों के शासन काल में कला तथा वास्तुकला की प्रगति होती रही। गुप्त काल के बाद कला सम्बन्धी गतिविधियों के केन्द्र दक्षिण तथा पूर्वी भारत की ओर स्थानांतरित हो गए। सातवीं शती (AD) में पल्लव वंशीय शासक शक्तिशाली हो गए। उनकी राजधानी **मामल्लपुरम** या **महाबलीपुरम** थी।

पल्लव वंशीय युग में **मामल्लपुरम** तथा **कांचीपुरम** कला के मुख्य केन्द्र बन गए। यही कारण है कि कला विषयक सर्वाधिक कार्य इन्हीं केन्द्रों में उपलब्ध हैं। कला के क्षेत्र में पल्लवों के समय की कुछ प्रसिद्ध कलाकृतियाँ महाबलीपुरम में उपलब्ध हैं। पंचरथ, अर्जुन का चिन्तन, मण्डप तथा उभरी हुई मूर्तिकला तथा कुछ और कलाकृतियाँ हैं जो पल्लवों के समय की हैं तथा महाबलीपुरम में उपलब्ध हैं। **पल्लवों** के बाद दक्षिण भारतीय क्षेत्र में जिन राजवंशों ने शासन किया उनमें **चालुक्य, चोल** तथा **होयसल** प्रमुख थे। पल्लव, **चालुक्य** तथा **चोल वंशीय मूर्तियाँ** कोमल एवं सौम्य थीं। मूर्तियों में ये गुण इससे पहले कभी नहीं देखे गए। **चोल युग** के कलाकारों ने कांस्य की मूर्तियों की तकनीक में निपुणता हासिल की। **होयसल काल** को पत्थर की मूर्तियों का युग माना जाता है। पत्थर पर बड़ी जटिल और सूक्ष्म नक्काशी तराशी गई है। ये मूर्तियां निपुणता से प्रदर्शित भाव–भंगिमाओं के लिए प्रसिद्ध हैं। मूर्तियों में लयात्मकता तथा गति इनके विशिष्ट आकर्षण हैं। इसी युग में मन्दिर वास्तुकला के उच्च स्तरीय नमूने देखने को मिलते हैं। मन्दिर वास्तुकला के अद्‌भुत उदाहरणस्वरूप कुछ मन्दिर इसी युग में देखने को मिलते हैं। इनमें से **हालेबिड** स्थित **होयसलेश्वर मन्दिर, केशव मन्दिर** तथा **सोमनाथ पुर के मंदिर** हैं। **पाल** तथा **सेन** राजवंश के बाद पूर्वी भारत में **गंग राजवंश** प्रमुख और प्रतिष्ठित राजवंश हुए। यह राजवंश अच्छे मन्दिर बनाने के लिए प्रसिद्ध हैं। इस राजवंश के शासकों ने ही उड़ीसा स्थित कोणार्क में शानदार राजसी **कोणार्क सूर्यमन्दिर** का

2.3 (क) ड्रम

(ख) नरसिंह देव–I

(ग) उड़ीसा

(घ) पत्थर

(ङ) गंग राजवंश